16 स्वदेशी नस्लों को राष्ट्रीय मान्यता: गैज़ेट अधिसूचना जारी, कुल 262 पंजीकृत नस्लें

कृषि और पशुपालन | समाचार संदर्भ: गैज़ेट S.O. 5675(E), 16 अक्टूबर 2026 (19 अक्टूबर को प्रकाशित); ICAR पंजीकरण 7 अगस्त 2026 | प्रकाशित: 23 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने 16 अक्टूबर 2026 की अधिसूचना S.O. 5675(E) (19 अक्टूबर को गैज़ेट में प्रकाशित) से 16 स्वदेशी पशु-नस्लों और कुत्ते की एक नस्ल को "अधिसूचित नस्ल" घोषित किया। इससे पहले 7 अगस्त 2026 को नस्ल पंजीकरण समिति (BRC — Breed Registration Committee) की 14वीं बैठक में इनका पंजीकरण स्वीकृत हुआ था; नोडल संस्थान ICAR-राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (NBAGR, करनाल) ने प्रत्येक को विशिष्ट एक्सेशन संख्या (accession number — हर नस्ल का अद्वितीय राष्ट्रीय पहचान-क्रमांक) दी थी। इस जोड़ के बाद देश में पंजीकृत नस्लों की कुल संख्या 262 हो गई है — 258 स्वदेशी और 4 संश्लिष्ट (synthetic, यानी प्रयोगशाला-विकसित संकर नस्लें)।

नस्लें: प्रजाति और राज्य

- **गाय (4):** कोंपल (कर्नाटक), महाकौशली (मध्य प्रदेश), पेरियार (केरल), उमारदा (महाराष्ट्र)।
- **भैंस (1):** गोमंचली (गोवा)। **बकरी (2):** बत्तीसी (राजस्थान-उत्तर प्रदेश), तोतापुरी (राजस्थान)।
- **भेड़ (4):** असोमी (असम), काउ देबार (उत्तराखंड), मडग्याल (महाराष्ट्र-कर्नाटक), सीमांचली (बिहार)।
- **अन्य:** गधा — ब्रज (उत्तर प्रदेश); घोड़ा/टट्टू — कश्मीरी (जम्मू-कश्मीर); सुअर — नागल (नागालैंड); याक — सिक्किमी याक (सिक्किम); कुत्ता — कोम्बाई (तमिलनाडु)।

कुल 9 प्रजातियाँ, 13 राज्य और 1 केंद्रशासित प्रदेश। अधिसूचना से ये नस्लें पशुपालन, उत्पादन, प्रजनन, संरक्षण, उपयोग और व्यापार के लिए मान्यता पाती हैं।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

देशी नस्लों की “अधिसूचित” मान्यता को दो-चरणीय प्रक्रिया में देखना चाहिए। पहले नस्ल पंजीकरण समिति (BRC) तकनीकी प्रमाणों — नस्ल की पर्याप्त संख्या, स्थिर आनुवंशिक लक्षण और उसके जन्म-क्षेत्र के जनशास्त्रीय अध्ययन — की समीक्षा करके पंजीकरण स्वीकृत करती है; इसमें NBAGR (करनाल) प्रत्येक नस्ल को अद्वितीय एक्सेशन संख्या देकर राष्ट्रीय-सूची में दर्ज करता है। दूसरे चरण में कृषि मंत्रालय गैज़ेट अधिसूचना से इन्हें “अधिसूचित नस्ल” घोषित करता है, जिसके बाद ये कानूनी रूप से पशुपालन, प्रजनन-कार्यक्रमों और व्यापार में मान्य नस्ल मानी जाती हैं। इस मान्यता का व्यावहारिक महत्व संरक्षण से है — नामांकित नस्लों के लिए संरक्षण-योजनाएँ और नस्ल-सुधार कार्यक्रम बनाए जा सकते हैं, और स्थानीय नस्लों के लक्षण-दुरुपयोग पर अंकुश संभव होता है। इस बार की सूची की एक विशेषता क्षेत्रीय विविधता है — 9 प्रजातियाँ, 13 राज्य और 1 केंद्रशासित प्रदेश शामिल हैं, जिसमें गोवा की गोमंचली भैंस और सिक्किमी याक जैसी सीमित-क्षेत्र की नस्लें भी हैं। कुल 262 पंजीकृत नस्लों का आँकड़ा भारत के पशु-आनुवंशिक संसाधनों की समृद्धि दर्शाता है।

परीक्षा की दृष्टि से

PCSMANTRA.COM

NBAGR/BRC की भूमिका, एक्सेशन संख्या का अर्थ, कुल-संख्या 262 (258 स्वदेशी + 4 संश्लिष्ट) और नस्ल-राज्य मिलान — प्रिलिम्स के सीधे तथ्य-प्रश्न।

स्रोत और सीमाएँ

- गैज़ेट अधिसूचना S.O. 5675(E), 16 अक्टूबर 2026 (पढ़ी): gazettetracker.com/CG-DL-E-19102026-277281; ICAR विज्ञप्ति, 7 अगस्त 2026 (पढ़ी): icar.org.in विज्ञप्ति
- **सीमाएँ:** दोनों स्रोतों की नस्ल-तालिका एक-दूसरे से मिली। गैज़ेट-पाठ तृतीयक ट्रैकर से पढ़ा गया; egazette का मूल पृष्ठ अलग से नहीं खुला।

PCSMANTRA.COM